मसीह में आनन्दित रहने हेतू परमेश्वर के उपहार

1-14. वे उपहार जो मज़बूत नींव हैं।

1. मसीह में धर्मी ठहरे जो परमेश्वर की धार्मिकता है। रोमियों 3:20-24; 2कुरि. 5:21; गलातियों 2:16; फिलि. 3:8-9; प्रेरितों 13:38-39; यिर्म 23:5-6

2. फिरौती तथा छुटकारा। रोमियों 3:24; मत्ती 20:28; इफिसियों 1:7; 1 पतरस 1:18-19; मत्ती 20:28; तीतुस 2:14; गलातियों 3:13

3. फ़सह के मेमने, प्रसादित, प्रायश्यित किये हुए तथा परमेश्वर के क्रोध से बचे हुए। रोमियों 3:25; इब्रानियों 2:17; 1 यूहन्ना 2:2; 4:10; गलातियों 3:13

4. क्षमा प्राप्त। रोमियों 4:7-8; इफिसियों 1:7; 1 यूहन्ना 1:9; प्रेरितों 5:31, 13:38

5. परमेश्वर की शान्ति प्राप्त। रोमियों 5:1; प्रेरितों 10:36; यूहन्ना 16:33; कुलु 1:20

6. परमेश्वर के साथ मेल मिलाप। रोमियों 5:10; 2 कुरिन्थियों 5:17-20; इफिसियों 2:16; कुलुस्सियों 2:21-22

7. अनन्त जीवन। यूहन्ना 3:16; 3:36; 10:28; 17:3; रोमियों 6:23; 1 यूहन्ना 5:11-12

8. लेपालक पुत्र के रूप में स्वीकार करके परमेश्वर के पुत्र की आत्मा को हमारे हृदयों में भेजा है। गला.4:5-6; 2 कुरि. 6:18; इफि. 1:5

9. स्वागत किये गये व स्वीकृत। रोमियों 14:3; 15:7; 11:15

10. मसीह में परिपूर्ण जिसमें परमेश्वर की परिपूर्णता वास करती है। कुलुस्सियों 2:9-10

11. मसीह में होकर सारी आत्मिक आशीषों से आशीषित हैं। इफिसियों 1:3; रोमियों 8:32

12. परमेश्वर की ओर से बुद्धि, मसीह जो हमारी धार्मिकता है, शुद्धिकरण व छुटकारा। 1 कुरिन्थियों 1:30

13-14. अन्धकार के राज्य में से निकालकर पुत्र के राज्य की ज्योति में प्रवेश कराये गये हैं। कुलुस्सियों 1:13; कुलुस्सियों 2:15; प्रेरितों 26:17.18; 1 पतरस 2:9

15-23. पिता, पुत्र व पवित्र आत्मा से जुड़े उपहार

15-16. मसीह में और मसीह हम में। इफिसियों 1:13; कुलु.1:2; 1 थिस्लु.1:1; 2 थिस्लु.1:1; 1 पतरस 5:14; रोमियों 8:10; गलातियों 2:20; इफिसियों 3:17; कुलु.1:27; प्रका. 3:20

17-19. पवित्र आत्मा हम में और हम पवित्र आत्मा में मिलकर, पवित्र आत्मा का मन्दिर बनते हैं। रोमियों 8:9; गला. 3:3; 1 कुरि. 1:22; इफिसियों 1:13; 1 कुरि. 3:16; 6:19

20-21. हम पिता में और पिता हम में रहता है। 1 थिस्लु. 1:1; 2 थिस्लु. 1:1; यूहन्ना 14:23; रोमियों 8:11

22. पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में लिप्त हैं। मत्ती 28:19

23. पिता,पुत्र और पवित्र आत्मा हमारे साथ और हम उनके साथ संगति रखते हैं। 1 कुरि 1:9; 2 कुरि.13:14; 1 यूहन्ना 1:3

24-31. परमेश्वर के सिहांसन के सम्मुख जीवन के उपहार

24. मसीह में परमेश्वर व उसके अनुग्रह तक हमारी पहुँच है। इफिसियों 2:18; 3:12, 10:19-22, रोमियों 5:2

25. यीशु के नाम में हमारी प्रार्थनाएं सुनी जाती हैं। यूहन्ना 16:24, लूका 11:9-10

26. अनुग्रह के सिंहासन के सामने दया,अनुग्रह और सहायता प्राप्त होती है। इब्रानियों 4:14-16

27. सारी जरूरतें पूरी होती हैं। फिलि. 4:13,19

28-29. परमेश्वर का आत्मा हम में होकर प्रार्थना करता तथा परमेश्वर का वचन इस्तेमाल करके प्रार्थना करने में सहायता करता है। रोमियों 8:26-27 इफिसियों 5:18-20; 6:17-18; यहूदा 20-21

30. हमारा महायजक मसीह हम सब के लिए एक मध्यस्थ के रूप में मध्यस्थता करता और दाम चुकाता है। रोमियों 8:34; इब्रा. 7:24-27; 1 तीमु. 2:5-6

31. मसीह अर्थात हमारा महायाजक हमारे पापों से बचाव के लिए हमारे समर्थन में अपनी दलील पेश करता है। 1 यूहन्ना 2:1-2; रोमियों 8:33-34

32-48. पापों से छुटकारा पाने का उपहार

32. मसीह की मृत्यु और उसके पुनरूत्थान को पहिने हुए हैं। रोमियों 6:3.4; गलातियों 3:27

33. जब हम उसकी मृत्यु में उसके साथ रहे हैं तो उसके जैसे पुनरुत्थान में भी उसके साथ रहेंगे। रोमियों 6:5, 8

34-35 हमारा पुराना व्यक्तित्व आदम में **यीशु के साथ ही क्रूस, हम भी उसके साथ ही गाड़ दिये गये थे।** रोमियों 5:12,19; 6:4,6,8; गलातियों 2:20

36-37. हमारा नया व्यक्तित्व यीशु मसीह में उठाया और यीशु मसीह में परमेश्वर के लिए जीवित हो। रोमियों 6:4-11; इफिसियों 2:4-7; 4:24

38. हम पाप की गुलामी से आज़ाद किये गये हैं। रोमियों 6:6.7, 11, 18, 22; 8:2; प्रकाशितवाक्य 1:5

39. धार्मिकता के औज़ार बनाए गये हैं। रोमियों 6:12.14,19

40. मसीह व उसके अनुग्रह की छत्रछाया में हैं। रोमियों 6:14; इफि. 1:6.8; 2 कुरिन्थियों 9:8

41. मसीह के अधीन मसीह और धार्मिकता के दास के रूप में। रोमियों 6:16,18, 22; गलातियों 2:20

42-45. वह जो अपनी लौ प्रभु से लगाता हैए उसकी आत्मा में एकाकार हो जाता है, मसीह के साथ विराजमान हैं तथा मसीह में होकर परमेश्वर में छुपे हैं। 1 कुरि. 6:17; इफिसियों 2:6; 5:32; कुलु. 3:3

46-47. मसीह से विवाह करने के लिए व्यवस्था से स्वतन्त्र किये गये हैं। रोमियों 7:4,6; 9:30-32; 10:3-4; गला. 2:19

48. जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह में हमें पाप की व्यवस्था और मृत्यु से स्वतन्त्र कर दिया है। रोमियों 8:2-4; गलातियों 5:16

पाप से मुक्त आत्मा से परिपूर्ण जीवन में 48-71 के वरदान भी शामिल हैं, विशेष करके 62, 63, 64, 66, 67, 70-71

48-71. पवित्र आत्मा में जीवन के उपहार

48. जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह में हमें पाप की व्यवस्था और मृत्यु से स्वतन्त्र कर दिया है। रोमियों 8:2-4; गलातियों 5:16

49-50. परमेश्वर का आत्मा और उसका प्रेम हमारे हृदयों में उण्डेला गया है। प्रेरितों 2:17-18; रोमियों 5:5; तीतुस 3:4-7

51. आत्मा से नया जन्मे, परमेश्वर से जन्में हैं। यूहन्ना 3:3.8; 1 यूहन्ना 3:9; 4:7; 5:4

52-54. दिया गया, ग्रहण किया, और हम में आत्मा को वरदान है। रोमियों 5:5; 1 यूहन्ना 4:13; 1 कुरि. 12:13; रोमियों 8:9, 23; प्रेरितों 2:38; यूहन्ना 7:39

55. हमारे हृदय से ही दूसरों के लिए आत्मा से पूर्ण जीवन के जल की नदियाँ बहती हैं। यूहन्ना 7:37-39

56. आत्मा में डूबे हुए हैं। प्रेरितों 1:5,8; मरकुस 1:8; प्रेरितों 11:16; 1 कुरि. 12:13

57. आत्मा हम में उतरता व हमें भरता है। प्रेरितों 1:8; 11:15; यूहन्ना 16:7,8,13

58. मसीह के राजदूत होने के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति। 2 कुरिन्थियों 5:17-20; प्रेरितों 1:8

59. पवित्र आत्मा से अभिषिक्त हैं। 2 कुरि. 1:21-22; 1 यूहन्ना 2:20,27

60. आत्मा से मुहर किये गये हैं। 2 कुरि. 1:21-22; इफिसियों 1:13; 4:30

61. आत्मा हमारी मीरास का जामिन है। 2 कुरि. 1:21.22; 5:5; इफि. 1:13-14

62. सत्य का आत्मा हमारी सहायता करता और हमें सिखाता है। यूहन्ना 14:16.18, 26; 15:26; 16:7-15; 1 कुरि. 2:10-16 (इफि. 6:17-18)

63. आत्मा हमारी अगुवाई करता है। रोमियों 8:14; 15:16; गलातियों 5:18; इफिसियों 1:5

64. आत्मा हमे शुद्ध करता है। रोमियों 15:16; गलातियों 5:16-23; कुलु 3:5-17; 2 थिस्लु. 2:13; 1पतरस 1:1-2

65. आत्मा हमें दूसरों की सेवा करने के लिए दान देता है। रोमियों 12:6-8; 1 कुरि. 12:4-11; 1 पतरस 4:10;

66. आत्मा हमें परमेश्वर की इच्छा पूरी करने तथा यीशु के समान जीवन व्यतीत करने के लिए उपहारों से भरता है। इफि. 5:18; प्रेरितों 2:4; 4:31; 13:52; 1 यूहन्ना 2:6

67. आत्मा में होकर मसीह के द्वारा खतना हुआ है, शरीर के अनुसार जीवन को त्याग दिया है ताकि अब मसीह में होकर परमेश्वर की आत्मा में जीवन व्यतीत कर सकें। कुलु. 2:11-13; रोमियों 2:29; 8:9

68. अपार सामर्थ्य व शक्ति। इफि. 1:19; 3:20; प्रेरितों 1:8; 2 कुरि. 4:7

69. परमेश्वर की रचना। इफि. 2:10; फिलि 2:13

70-71. वह हमें जय के उत्सव में लिए फिरता है। 2 कुरि. 2:14; 1 कुरि. 15:57

इसके अलावा 8, 17-19, 22, 23, 24 (इफिसियों 2:18), 28-29

72-82. मसीह की देह होने का उपहार

72. मसीह के देह के अंग अर्थात कलीसिया जिसका सिर स्वयं मसीह है 1 कुरि. 12:27; इफि. 5:23,30

73. मसीह में भाई व बहन हैं। इफि. 6:23; रोमियों 16:1,14; याकूब 2:15

74. हमारी दाखलता मसीह से जुड़ी हुई डालियाँ हैं। यूहन्ना 15:5

75-79. एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और परमेश्वर की निज प्रजा हो। 1 पतरस 2:9,10

80-82. पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो। इफि. 2:19; रोमियों 1:7; 8:27; 2 कुरि. 1:1

इसके अलावा 19 में परमेश्वर का मन्दिर 8 लेपालक होने का परमेश्वर का पुत्र होना या परमेश्वर की सन्तान होना है 8, 72-73, 80-82 में परमेश्वर का परिवार अर्थात कलीसिया होना शामिल है 46-47,94 मसीह से विवाह हो चुका है।

83-97. भविष्य में रखी महिमा का उपहार

83. स्वर्ग के नागरिक। फिलि. 3:20; इब्रा.12:23

84. महिमा की आशा। रोमियों 5:2; 15:13; कुलु. 1:27

85. मीरास, परमेश्वर के वारिस तथा मसीह के सह वारिस। रोमियों 8:17; 1 पतरस 1:4; मत्ती 25:34; प्रेरितों 20:32; इफि. 1:14,18; कुलु 1:12; इब्रा. 9:15

86. शरीर को त्यागने पर मसीह के साथ होगें। फिलि. 1:23; 2 कुरि. 5:6-8

87. परमेश्वर की उपस्थिति में सिद्ध होते हैं। इब्रा. 12:23; 10:14

88. यीशु के समान, उसके सदृश बने। 1 यूहन्ना 3:2-3; रोमियों 8:29-30

89. सुरक्षित उसके स्वर्गीय राज्य में प्रवेश करवाया। 2 तीमुथीयुस 4:18

90. परमेश्वर के आनन्द में प्रवेश करो। मत्ती 25:21,23; सपन्याह 3:17

91. आने वाले क्रोध से छुड़ाए गये हैं। 1 थिस्लु. 1:10

92. परमेश्वर अपने कार्य को पूरा करेगा। फिलि. 1:6

93. यीशु के समान पुनरूत्थित देह। फिलि 3:21; 1 कुरि. 15:35-57

94. मेम्ने का उसकी दुल्हन से विवाह। प्रकाशितवाक्य 19:7,9

95. हर एक आँसू पोंछ दिया गया है। प्रकाशितवाक्य 7:17; 21:4

96. उसका मुँह देखे। प्रकाशितवाक्य 22:3-4

97. हमेशा के लिए मसीह के साथ राज्य करेगें। प्रकाशितवाक्य 3:21; 22:5

तीन ऐसे उपहार जो बाकि सारी बातों को समावेशित कर लेते हैं।

98. प्रेम किया जाना। 1 यूहन्ना 4:8,10; रोमियों 5:8

99. छुटकारा पाना। मत्ती 1:21; प्रेरितों 16:31; इब्रानियों 7:25

100. नयी वाचा में। लूका 22:20; इब्रा. 9:14-15

From the *e*Book, "The Grace of God in Christ" available free at www.GraceGodChrist.com

मसीह में आनन्दित रहने हेतू परमेश्वर के उपहार

"प्रभु यीशु पर विश्वास कर। इससे तेरा उद्धार होगा-तेरा और तेरे परिवार का।"

"महानुभावो, उद्धार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिये?"

Hinduism	Buddhism	Islam
Tum Karo	Tum Karo	Tum Karo